



विद्युत मंत्रालय

# लार्सन एंड टुब्रो ने स्मार्ट मीटर के लिए ईईएसएल की ओर से जारी निविदा में सबसे कम बोली लगाई है प्रति सिंगल फेज स्मार्ट मीटर के लिए 2722 रुपये की न्यूनतम बोली

## जीनस पावर और केयोनिक्स दूसरी एवं तीसरी न्यूनतम बोली लगाने वालों के रूप में उभर कर सामने आई हैं

Posted On: 09 OCT 2017 10:22AM by PIB Delhi

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) 50 लाख स्मार्ट मीटर की खरीदारी के लिए एनर्जी एफिसिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) द्वारा जारी की गई निविदा में न्यूनतम बोलीदाता के रूप में उभर कर सामने आई है। कंपनी का चयन एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए हुआ है। ये मीटर उत्तर प्रदेश और हरियाणा में चरणबद्ध ढंग से 3 वर्षों की अवधि में लगाए जाएंगे। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने प्रति सिंगल फेज स्मार्ट मीटर के लिए 2722 रुपये की न्यूनतम बोली लगाई है।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत कंपनी ईईएसएल द्वारा जारी की गई निविदा दुनिया की सबसे बड़ी एकल स्मार्ट मीटर खरीद को दर्शाती है। विश्व भर के चौदह अग्रणी निर्माताओं ने इस निविदा में भाग लिया। 40 लाख स्मार्ट मीटर उत्तर प्रदेश में और शेष 10 लाख स्मार्ट मीटर हरियाणा में लगाए जाएंगे। एलएंडटी द्वारा लगाया गया भाव वर्तमान बाजार दरों से 40-50 प्रतिशत कम है।

स्मार्ट मीटर दरअसल समग्र एडवांस्ड मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर सोल्यूशंस (एएमआई) का एक हिस्सा हैं। इसका लक्ष्य कुछ इस तरह से मांग का बेहतर प्रबंधन करना है, ताकि अधिकतम मांग (पीक ऑवर्स) के दौरान बिजली की खपत कम की जा सके। समग्र एएमआई सोल्यूशन में एक प्रणाली समाकलक (सिस्टम इंटीग्रेटर) भी होगा जो मीटर लगाने, क्लाउड पर डेटा स्टोरेज, डैशबोर्ड तैयार करने इत्यादि के लिए उत्तरदायी होगा। सिस्टम इंटीग्रेटर के लिए बोलियां 31 अक्टूबर, 2017 को खुलेंगी।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश में स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए ये मीटर खरीदे जा रहे हैं, क्योंकि ये दोनों ही राज्य भारी-भरकम एटीएंडसी (कुल तकनीकी एवं वाणिज्यिक) नुकसान से जूझ रहे हैं। इन दोनों ही राज्यों के मामले में नवीनतम संबंधित आंकड़े क्रमशः 28.42 और 34.36 प्रतिशत हैं। [1] स्मार्ट मीटर लग जाने से इन राज्यों को न केवल बढ़ती बिलिंग दक्षता के जरिए अपने एटीएंडसी नुकसान को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत ऊर्जा का उपभोग करने और इसका भुगतान करने का मौजूदा तरीका भी पूरी तरह से बदल जाएगा। इन स्मार्ट मीटर्स के लगने के साथ-साथ इनसे संबंधित संचार और आईटी बुनियादी ढांचे की भी स्थापना हो जाने से डिस्कॉम को बाद में विश्लेषण करने के लिए वास्तविक समय पर प्रत्येक उपभोक्ता का ऊर्जा खपत डेटा प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

ईईएसएल द्वारा खरीदे जाने वाले स्मार्ट मीटर में जीपीआरएस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल होता है जिससे डिस्कॉम और उपभोक्ताओं के बीच दोतरफा संचार संभव है। जब इस तरह का स्मार्ट मीटर लग जाता है तो ऊर्जा आपूर्तिकर्ता के लिए मोबाइल फोन नेटवर्क के जरिए मीटर रीडिंग लेना भी संभव हो जाता है। इसके तहत उपभोक्ताओं को भी डिजिटल डिस्प्ले प्राप्त हो सकता है जिससे उन्हें वास्तविक समय पर यह जानकारी हासिल करने में मदद मिलती है कि वे कितनी बिजली की खपत कर रहे हैं और उसकी लागत कितनी बैठ रही है। स्मार्ट मीटर से बिजली खपत के पैटर्न और इस पर आने वाली लागत को समझने में भी मदद मिलती है। इसका अर्थ यही है कि ऊर्जा उपयोग का बेहतर तरीका अपना कर और बिजली की बर्बादी में कमी करके उपभोक्ताओं को वित्तीय बचत सुनिश्चित की जा सकती है। स्मार्ट मीटर ऊर्जा के उपयोग के बारे में सटीक और वास्तविक समय पर आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत के तौर-तरीकों के बारे में सही निर्णय लेने में मदद मिलती है।

ईईएसएल 100 प्रतिशत निवेश के साथ सिस्टम इंटीग्रेटर के स्मार्ट मीटर और सेवाएं खरीद रही है, जबकि संबंधित उपक्रम शून्य निवेश करेंगे। ईईएसएल को पुनर्भुगतान बेहतर बिलिंग दक्षता के जरिए होने वाली बचत, मीटर रीडिंग पर कोई लागत न आने, इत्यादि से संभव हो पाएगा। ऐसा कहा जाता है कि मीटर रीडिंग की औसत लागत 40 रुपये प्रति मीटर है, जो पूरी तरह से बच जाएगी।

ईईएसएल आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को संतुलित करते हुए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी सोल्यूशंस को तेजी से अपनाने के उद्देश्य से प्रेरित है। ईईएसएल अनूठे सोल्यूशंस की बदौलत देश में ऊर्जा के बुनियादी ढांचे में पूर्ण बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

\*\*\*

वीके/आरआरएस/एसएस - 5001

(Release ID: 1505436) Visitor Counter : 9

